शुगर प्रॉडक्शन और एक्सपोर्ट की राह में पॉलिसी का रोड़ा!

[ईटी ब्यूरो | नई दिल्ली]

गन्ने की पेराई में देरी और सब्सिडी पॉलिसी पर चीजें साफ नहीं होने के कारण शुगर प्रॉडक्शन और कच्ची चीनी के एक्सपोर्ट में गिरावट आई है। करेंट शुगर सीजन (अक्टूबर 2013-सितंबर 2014) में सरकार ने 40 लाख टन के प्रॉडक्शन का लक्ष्य रखा है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) की रिलीज के मुताबिक, पेराई के आखिरी दौर में देश की शुगर मिलों ने 231.5 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया, जो पिछले साल के इसी पीरियड के प्रॉडक्शन से 10 लाख टन कम है।

मौजूदा सीजन में अब तक देश के कच्ची चीनी का कुल एक्सपोर्ट महज 8.5 लाख टन रहा है। 15 अप्रैल तक महाराष्ट्र में शुगर का प्रॉडक्शन 74.7 लाख टन रहा है, जो पिछले साल अप्रैल तक तैयार माल (79.1 लाख टन) से 6 फीसदी कम है। यूपी की शुगर मिलों ने 62.6 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया, जो पिछले साल के इसी पीरियड के प्रॉडक्शन से 10 लाख टन कम है। आईएसएमए ने बताया, 'शुगर प्रॉडक्शन में गिरावट की मुख्य वजह उत्तर प्रदेश में गन्ने की पेराई शुरू होने में देरी है। गन्ने की कीमत को लेकर अनिश्चितता समेत कई और वजहों से राज्य की चीनी मिलों ने देर से पेराई शुरू की थी।'

प्रॉडक्शन घटा

पेराई के आखिरी दौर में देश की शुगर मिलों ने 231.5 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया, जो पिछले साल के इसी पीरियड के प्रॉडक्शन से 10 लाख टन कम है

हालांकि, कर्नाटक ने 40.5 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन किया है, जो राज्य में सबसे ज्यादा शुगर प्रॉडक्शन के मामले में रिकॉर्ड है। आंध्र प्रदेश ने 9.8 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन किया, जो पिछले साल के आंकड़े के आसपास है। सरकार ने भले ही कच्ची चीनी के एक्सपोर्ट के लिए 3,300 रुपये प्रति टन की सब्सिडी का ऐलान किया हो, लेकिन कुल 15.4 लाख टन के कुल तैयार माल में सिर्फ 8.5 लाख कच्ची चीनी का एक्सपोर्ट हो पाया है।

Economic times

18/4/14